श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज के
मुनि दीक्षा स्वर्ण–जयन्ती के उपलक्ष्य में

प. पू. एलाचार्य श्री श्रुतसागर जी, प. पू. एलाचार्य श्री वसुनंदीजी
प. पू. एलाचार्य श्री प्रज्ञसागर जी के नेतृत्व में

ज्ञानवर्द्धनोत्सव–वर्ष

(25 जुलाई, 2012 से 25 जुलाई, 2013)

के अवसर पर प्रकाशित पुस्तिका
आमजन को सादर समर्पित

परमपूज्य श्वेतपिच्छाचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज

ज्ञानवर्द्धनोत्सव–वर्ष समिति, जयपुर
आर–3, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर – 302005
फोन नं. 0141 – 2222519 मो. : 94140–66665

Website : www.justicenagendrakjain.com
E-mail : nkjain2010@yahoo.co.in

आचार्य श्री विद्यानन्द जी का अभिन्नदन
मांगलिक वर्ष 2012–13

कर्मयोगी आचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज विचारक, दार्शनिक एवं विश्लेषक है। आज शीर्ष पर विराजमान हैं। मुनिराज विद्वान, मार्गदर्शक, सबको आदर एवं साथ लेकर चलने वाले, कल्पना व अच्छे विचारों को प्रचार कर क्रियान्वित कराने की कला के धनी है। आप आध्यात्म व श्रमण संस्कृति के विश्वविद्यालय हैं।

आचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज केवल, जैन समाज के ही नहीं, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रेरणा स्त्रोत है। हर क्षेत्र में आचार्य श्री द्वारा दिया गया योगदान अद्वितीय व चिरस्मरणीय है। धर्मभाव, आध्यत्मिक और नैतिक मूल्यों के उत्थान हेतु पुरजोर प्रयास कर रहे है। समाज व राष्ट्र उनका कृतज्ञ है।

जैन धर्म समता, अहिंसा त्याग व सयंम प्रधान है व किसी जाति विशेष अथवा समुदाय तक ही सीमित न होकर सभी प्राणी मात्र के लिए है। अपनी तपस्या व आचरण से इस उक्ति को चरितार्थ किया।

आचार्यश्री के आशीर्वाद से दो मुनिराज को एलाचार्य पद व चार मुनिराज को उपाध्याय पद, एक मुनिश्री को मुनि दीक्षा, दो को गणिनी पद, दो को क्षुल्लक दीक्षा दी गई। एक मुनिराज को भेद ज्ञान व समाधि में सहयोग किया। आचार्यश्री के निर्देशन, मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं आशीर्वाद से 42 विशिष्ठ एवं अति–महत्वपूर्ण कार्य हुए एवं 9 संस्थाएं निर्मित हुई। मांगलिक प्रेरणा से 12 प्रवर्तित पुरस्कार, आचार्यश्री की लेखनी से 52 पुस्तके, 5 मंगल प्रवचनों का संग्रह, पावन प्रेरणा से 60 लेख प्रकाशित हुए। स्वयं आचार्यश्री पर 6 लेख प्रकाशित हुए। आचार्य श्री के पावन सान्निध्य में 19 पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव, 1946 से 2012 तक 67 पावन वर्षायोग सम्पन्न हुए। जिसमें राजस्थान के सुजानगढ़ में 1958 व 1959 दो बार, 1964 में जयपुर व 1972 में श्री महावीरजी में सम्पन्न हुए। इसके साथ ही मुनिराज के कई लेख विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होत रहे है।

यह मांगलिक वर्ष 2012–13 है मुनिराज के श्री अभिनन्दन का।

परम पूज्य विश्वविभूति श्वेतापिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज के 50 वें दीक्षावर्ष (ज्ञानवर्द्धनोत्सव वर्ष) के उपलक्ष्य में हम अकिंचन श्रद्धालु श्रावकों का कोटिशः नमन् (नमोस्तु)।

राष्ट्र व विश्व को प्राप्त उनकी अनुभूत प्रेरणा, विद्या, ज्ञान वाणी, कर्म–साधना अमूल्य व शाश्वत है। मुनिश्री की वर्षों की आध्यात्म–यात्रा, जहां तीर्थंकर भगवान महावीर के चरणों में समर्पित रही है वहीं भाषागत साहित्य साधना में भी कीर्तिमान स्थापित कर पायी है। वस्तुतः यह उपलब्धि समग्र दिगम्बर जैन समाज के लिए परम गौरव का विषय है। आत्मानुभूति की घड़ी है।
प्राचीन काल की रोजमर्रा की बोलचाल की राष्ट्रभाषा प्राकृत–अपभ्रंश के उत्थान एवं प्रचार–प्रसार के लिए, संकल्प व प्रेरणास्पद कार्यक्रम का श्रेय आचार्यश्री को है।

हम आत्मबोध व विद्याबोध से इसलिए लबालब हैं कि मुनिराज ने राजस्थान पर अपनी महती कृपा की अपूर्व वर्षा की हैं और राजस्थान की प्राकृत– अपभ्रंश भाषा, उसके साहित्य व आगम के संरक्षण, संवर्द्धन व भाषान्तरण को अद्‌भुत मार्गदर्शन व सक्रिय योगदान प्रदान किया है।

आचार्यश्री के आर्शीवाद से अपभ्रंश साहित्य अकादमी (दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्वारा संचालित) के लिए रियायती मूल्य पर, राज्य सरकार द्वारा करीब 3000 वर्गमीटर भूमि प्राप्त कर लोकभाषा प्राकृत–अपभ्रंश के उन्नयन का मार्ग प्रशस्त हुआ। मुनिराज श्री की कृपा से भवन का नवनिर्माण अतिशीघ्र सम्भव हो पायेगा। यह देश की प्रथम अकादमी होगी, जो राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए आधारभूत सिद्व होगी।

भावों की अभिव्यक्ति भाषा से ही सम्भव है। अति प्राचीन जैन संस्कृति अर्थात श्रमण संस्कृति का आगमों में खजाना भरा पड़ा है। हस्तलिखित

ग्रन्थ रचे पड़े है। अतः आधुनिक युग में उक्त भाषा, लिपि व साहित्य के गर्भस्थ खजानें को बाहर निकालने की जरूरत है।

जिनेन्द्र भगवान से हमारी अनुनय प्रार्थना है कि मुनिराज श्री शतायु प्राप्त करें और श्रीमुख से अमृत–वर्षा करते रहें ।

इन्हीं भावपुष्पों सहित, शत् शत् नमन ।

जस्टिस एन. के. जैन, अध्यक्ष, ज्ञानवर्द्धनोत्सव–वर्ष प्रादेशिक समिति, राजस्थान, जयपुर
पूर्व मुख्य न्यायाधिपति, मद्रास–कर्नाटक उच्च न्यायालय,
पूर्व अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग/लोकायुक्त, हिमाचल प्रदेश
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग, जयपुर

विद्यावदान / दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्वारा संचालित जैन विद्या संस्थान / अपभ्रंश साहित्य अकादमी से साभार

दिनांक 13 नवम्बर 2012 (दीपावली)
वीर निर्वाण सम्वत् 2539

सिद्धान्तचक्रवर्ती परमपूज्य श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्दजी मुनिराज का संक्षिप्त जीवनवृत

पूर्व नाम	– श्री सरेन्द्र उपाध्ये
पिता	– श्री कल्लप्पा उपाध्ये
माता	– श्रीमती सरस्वती उपाध्ये
जन्म स्थन व दिनांक	– शेडवाल (कर्नाटक) दिनांक 22 अप्रैल 1925
प्रारम्भिक शिक्षा	– शान्तिसागर आश्रम (शेडवाल)
प्रारम्भिक व्यवसाय	– कृषि
क्षुल्लक दीक्षा	– 15 अप्रैल 1946 परमपूज्य आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी मुनिराज द्वारा तमद्ड्डी (कर्नाटक)
नामकरण	– क्षुल्लकश्री पार्श्वकीर्ति वर्णी
मुनि दीक्षा	– 25 जुलाई 1963, परमपूज्य आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी मुनिराज द्वारा दिल्ली
नामकरण	– मुनि श्री विद्यानन्द
उपाध्याय दीक्षा	– 17 नवम्बर 1974, परमपूज्य आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी मुनिराज द्वारा दिल्ली
नामकरण	– उपाध्याय श्री विद्यानन्द मुनि (बीसवीं शताब्दी के प्रथम उपाध्याय)
एलाचार्य दीक्षा	– 17 नवम्बर 1978, दिल्ली

नामकरण — एलाचार्य श्री विद्यानन्द मुनि

सिद्धान्तचक्रवर्ती उपाधि — 6 नवम्बर 1979, चतुः— संघ द्वारा प्रदत्त, इन्दौर

आचार्य पदारोहण — 28 जून 1987, परम पूज्य आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी के आदेशानुसार चतुः संघ द्वारा प्रदत दिल्ली

नामकरण — आचार्य श्री विद्यानन्द मुनिराज

आचार्य श्री द्वारा प्रदत दीक्षायें। —

एलाचार्य पद :—

एलाचार्य श्रुतसागर जी, दिल्ली, 2006
एलाचार्य वसुनन्दि जी, दिल्ली, 2009

उपाध्याय पद :—
उपाध्यायश्री गुप्तिसागर जी, इन्दौर 1991
उपाध्यायश्री श्रुतसागर जी, दिल्ली 1998
उपाध्यायश्री निर्णय सागर जी, दिल्ली 2002
उपाध्यायश्री प्रज्ञसागर जी, दिल्ली 2009

मुनि दीक्षा :—
मुनि श्री धर्मानन्द सागर जी

गणिनी पद :—
गणिनीश्री प्रज्ञमती जी , दिल्ली 2005
गणिनीश्री विद्याश्री जी, दिल्ली 2010

क्षुल्लक दीक्षा :–

क्षुल्लकश्री धर्मानन्दजी, श्रवणबेलगोल 1980
क्षुल्लकश्री ज्ञानानन्दजी, श्रवणबेलगोल 1980

आचार्य श्री निर्यापकाचार्य के रूप में

मुनि श्री धर्मानन्दसागर जी की समाधि, दिल्ली 2006

आचार्यश्री के निर्देशन, मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं आशीर्वाद से सम्पन्न अतिमहत्वपूर्ण कार्य

1. सन् 1966–67 जैन भजनों के ग्रामोफोन रिकार्ड्स का प्रथम बार निर्माण
2. सन् 1971 श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, श्रीनगर (गढ़वाल) का जीर्णोद्धार
3. सन् 1974 जैन धवज और जैन प्रतीक का निर्माण
4. सन् 1974 धर्मचक्र प्रवर्तन
5. सन् 1974 भगवान महावीर का 2500 वाँ निर्वाण महोत्सव
6. सन् 1976 समयसार, द्रव्यसंग्रह, छहढाला की कैसेटों का प्रथम बार निर्माण
7. सन् 1977 समयसार आदि ग्रन्थों का सम्पादन–प्रकाशन
8. सन् 1978 संगीत समयसार ग्रन्थ का सम्पादन– प्रकाशन
9. सन् 1978 कुन्दकुन्द भारती की स्थापना।
10. सन् 1980 जनमंगल कलश प्रवर्तन
11. सन् 1981 श्रवणबेलगोल स्थित गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली की प्रतिमा का सहस्त्राब्दी समारोह एवं महामस्तकाभिषेक
12. सन् 1982 भगवान बाहुबली की 45 फुट ऊँची उत्तुंग का पंचकल्याण प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक, धर्मस्थल
13. सन् 1983 कुम्भोज बाहुबली क्षेत्र पर अतिक्रमण का कड़ा विरोध एवं उसका समाधान

14. सन् 1985–86 श्रावकचार वर्ष
15. सन् 1986 गोम्मटेश्वर भगवान बाहुबली की प्रतिमाओं का उतर भारत में निर्माण गोम्मटगिरी (इन्दौर), फिरोजाबाद (उ.प्र.)
16. सन् 1987 भरत चैत्यालय की स्थापना, कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली
17. सन् 1987 कुन्दकुन्द भारती का उद्घाटन
18. सन् 1988 अखिल भारतीय आचार्य कुन्दकुन्द द्विसहस्त्राब्दी वर्ष समारोह
19. सन् 1988 प्राकृतविद्या (त्रैमासिक – शोध पत्रिका)
20. सन् 1991 बावनगजा स्थित चौरासी कुट उत्तुंग भगवान आदिनाथ की प्रतिमा का जीर्णोद्धार एवं महामस्तकाभिषेक
21. सन् 1994 सम्मेदशिखर आन्दोलन की गति एवं मार्गदर्शन
22. सन् 1996 श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ दिल्ली में प्राकृत अध्ययन का शुभारम्भ
23. सन् 1998 श्रीमहावीरजी (राजस्थान) स्थित भगवान महावीर की प्रतिमा का सहस्त्राबदी समारोह एवं महामस्तकाभिषेक
24. सन् 1998 कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली में सम्राट् खारवेल भवन की स्थापना
25. सन् 2001 अहिंसा स्थल, दिल्ली में भगवान महावीर की प्रतिमा का महामस्काभिषेक
26. सन् 2003 परमपूज्य चारित्रचक्रवर्ती आचार्यश्री शान्तिसागर जी मुनिराज का 131 वां जन्म जयन्ती समारोह ''संयम–वर्ष''
27. सन् 2004 चारित्रचक्रवर्ती परमपूज्य आचार्य श्री शान्तिसागर जी मुनिराज का 50 वा. समाधि–दिवस समारोह ''स्वर्ण समाधि वर्ष''
28. सन् 2004 भगवान महावीर की जन्मभूमि वासोकुण्ड, विदेहकुण्डपुर, बिहार में भव्य दिगम्बर जैन मन्दिर का निर्माण
29. सन् 2006 श्रवणबेलगोल स्थित गोम्मटेश्वर भगवान् बाहुबली की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद
30. सन् 2006 भरतक्षेत्र नजफगढ़ दिल्ली में भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा का पंचकल्याण एवं महामस्तकाभिषेक

31. सन् 2006 रानीला, हरियाणा में पूज्य एलाचार्यश्री श्रुतसागर जी के पावन सान्निध्य एवं आचार्य श्री के मंगल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में पंचकल्याणक
32. सन् 2007 धर्मस्थल, कर्नाटक स्थित भगवान बाहुबली की प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद
33. सन् 2008 बावनगजा, बड़वानी, मध्यप्रदेश स्थित भगवान आदिनाथ की 84 फुट उत्तुंग प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक
34. सन् 2008 मथुरा चौरासी में भगवान जम्बूस्वामी की विशाल प्रतिमा का पंचकल्याण एवं महामस्तकाभिषेक समारोह एलाचार्य श्रुतसागरजी, उपाध्याय वसुनन्दिजी के सान्निध्य एव आचार्य श्री के मंगल आशीर्वाद से।
35. सन् 2010 कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली में कातंत्र–कालाप ग्रन्थालय की स्थापना
36. नवनिर्मित नूतन दिगम्बर जैन मन्दिर, कालकाजी क्षेत्र, नई दिल्ली
37. जैन समाज को भारतीय संविधान में प्रदत अल्पसंख्यक घोषित करने का आन्दोलन
38. समाज में व्याप्त कुरीतियों व मिथ्यात्व के संस्कारों का निवारण
39. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली में आचार्य कुन्दकुन्द स्मृति व्याख्यानमाला का शुभारम्भ
40. प्राकृत भाषा के विद्वानों को राष्ट्रपति पुरस्कार का शुभारम्भ
41. कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली में मानस्तम्भ की स्थापना
42. कुन्दकुन्द भारती, नई दिल्ली में साहू जैन की मूर्ति की स्थापना

आचार्य श्री की प्रेरणा एवं उपदेश से निर्मित संस्थाएँ :–

1. कुन्दकुन्द भारती न्यास, नई दिल्ली
2. मुनि विद्यानन्द हाई स्कूल, शेडवाल
3. मुनि विद्यानन्द शोध संस्थान, बड़ौत
4. श्रमण जैन भजन प्रचारक संघ, दिल्ली
5. वीर निर्वाण भारती, मेरठ
6. वीर निर्वाण ग्रन्थ प्रकाशन समिति, इन्दौर
7. विश्वधर्म ट्रस्ट, कोटा
8. शौरसेनी प्राकृत संसद् की स्थापना
9. जैन पर्सनल लॉ बोर्ड का गठन

आचार्यश्री की मांगलिक प्रेरणा से प्रवर्तित पुरस्कार :–

1. वृषभदेव संगीत पुरस्कार
2. आचार्य उमास्वामी पुरस्कार
3. ब्राह्मी पुरस्कार
4. चारित्रचक्रवर्ती पुरस्कार
5. संगीत समयसार पुरस्कार
6. आचार्य विद्यानन्द पुरस्कार
7. साहू अशोक जैन पुरस्कार
8. अहिंसा पुरस्कार
9. आचार्य अमृतचन्द्र पुरस्कार
10. आचार्य कुन्दकुन्द पुरस्कार
11. सिद्धान्तचक्रवर्ती आचार्य नेमिचन्द्र पुरस्कार
12. कुन्दकुन्द पुरस्कार

आचार्यश्री की लेखनी से प्रसूत साहित्य :–

1. पिच्छी कमण्डलु
2. अपरिग्रह से भ्रष्टाचार उन्मूलन
3. दैव और पुरूषार्थ
4. निर्मल आत्मा की समयसार
5. भक्ति रस के अंगूर

6. विश्वधर्म के मंगलपाठ
7. समय का मूल्य
8. अनेकान्त–सप्तभंगी–स्याद्वाद
9. स्पतव्यसन
10. विश्वधर्म के दस लक्षण
11. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोग
12. नारी का स्थान और कर्तव्य
13. गुरू संस्था का महत्व
14. ज्ञानदीप जलें
15. मनव धर्म
16. ईश्वर कहाँ है ?
17. सुपुत्रः कुलदीपक':
18. पावन पर्व रक्षाबन्धन
19. तीर्थंकर वर्द्धमान
20. मन्त्र, मूर्ति और स्वाध्याय
21. वीर प्रभु
22. सर्वोदय तीर्थ
23. सोने का पिंजरा
24. विश्वधर्म की रूपरेखा
25. अहिंसा – विश्वधर्म
26. दिगम्बर जैन साहित्य में विकार
27. आध्यात्मिक सूक्तियां
28. मंगल कुमकुम पाठ
29. अग्नि और जीवत्व शक्ति
30. जैन संस्कृति में दान और पूजा
31. महात्मा ईसा
32. गुरू परिवाद विचार (मराठी)
33. महादेवी पद्मावती
34. वन का पति वनस्पति
35. शब्द साधना
36. गोम्मटेशजिन श्री बाहुबली स्वामी
37. 2500 वाँ निर्वाण उत्सव कैसे मनायें
38. आदि कृषि–शिक्षक तीर्थंकर आदिनाथ

39. स्वतंत्रता, समाजवाद और अनुशासन
40. श्रमण संस्कृति और दीपावली
41. धर्मनिरक्षेप नहीं, सम्प्रदायनिरपेक्ष
42. कल्याण मुनि और सम्राट् सिकन्दर
43. जैनधर्म, अहिंसा एवं महात्मा गांधी
44. बाहुबलिस्स रायहाणी तक्खसिला
45. सूतक–पातक न मानने वाला मिथ्यादृष्टि
46. प्रजातन्त्र के मूलमन्त्र
47. मूर्ति से मूर्तिमान की पूजा
48. आर्ष परम्परा में आर्यिका दीक्षा
49. मुनिभक्त क्षेत्रपालों का शास्त्रोक्त स्वरूप
50. विश्वप्रसिद्व पद्मावती की देन
51. जैन शासन ध्वज
52. मोहनजोदड़ो – जैन परम्परा और प्रमाण (हिन्दी, मराठी, कन्नड़, अंग्रेजी)

मंगल प्रवचनों का संग्रह

1. गुरूवाणी (5 भाग)
2. मंगल प्रवचन
3. अमृतवाणी
4. निर्ग्रन्थ प्रवचन
5. स्वानंद विद्यामृत (5 भाग)

पावन प्रेरणा से प्रकाशित

1. तीर्थंकर वर्द्धमान महावीर
2. सुसंगीत जैन पत्रिका
3. जैन इतिहास पर लोकमत
4. जैनशासन का ध्वज
5. हिमालय में दिगम्बर मुनि
6. पुरूदेव भक्ति गंगा
7. तीर्थंकर महावीर भक्ति गंगा
8. नेमिनाथ भक्ति गंगा
9. पार्श्वनाथ भक्ति गंगा

10. तमिलनाडू का जैन इतिहास
11. जैन वास्तुविद्या
12. वाग्दीक्षा स्वरूप एवं महत्व
13. गोम्मटेश थुदि
14. छहढाला
15. ब्राही लिपि प्रवेशिका
16. विवाह
17. द्रव्यसंग्रह
18. खरा सो मेरा
19. वरस अणुपेंक्ख
20. जैनधर्म प्राचीन स्वतंत्र धर्म
21. समयसार
22. नियमसार
23. प्रवचनसार
24. रयणसार
25. महावीर पदावली
26. पासणाहचरिउ
27. विदेह कुण्डपुर
28. वनराज से जिनराज
29. भरत और भारत
30. तिरूक्कुरूल
31. वैराग्य भावना
32. उपसर्ग निवारण
33. ओ ना मा सी ध म्
34. जंबू – सामी– चरिउ
35. तत्त्वार्थसूत्र
36. शौरसेनी प्राकृत और उसका साहित्य
37. भारतीय संस्कृति और श्रमण–परम्परा
38. वीर निर्वाण विचार और सेवा
39. भक्ति के अंगूर और संगीत समयसार
40. शौरसेनी प्राकृत और उसका साहित्य
41. मोहनजोदड़ो जैन परम्परा और प्रमाण
42. प्राकृत और जैनधर्म का अध्ययन

43. Harappa and Jainism
44. Barasa Anuvekha
45. The Jain Law
46. Mahavira and his philosophy of life
47. महावीर पदावली
48. प्राकृत भाषा स्तबक
49. प्राकृत साहित्य स्तबक
50. Rishabhaputra Bharat aur Bharat
51. आध्यात्मिक भजन संग्रह
52. तत्त्वार्थसूत्र–प्रदीपिका
53. जैनधर्म का सरल इतिहास
54. वनराज से जिनराज
55. शांतिसागर चरित्र
56. समयसार (अंग्रेजी)
57. जैनधर्म में वर्षायोग
58. तत्त्वार्थसूत्र (अंग्रेजी)
59. शौरसेनी प्राकृत भाषा एवं उसके साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
60. कलिंग चक्रवर्ती महाराजा खारवेल के शिलालेख का विवरण

आचार्य श्री पर प्रकाशित

1. गौरव गाथा
2. विश्वधर्म प्रवर्तक मुनिश्री विद्यानन्द जी
3. मुनि विद्यानन्द की जीवनधारा
4. वन्दे तद्गुणलब्धये (हिन्दी, मराठी)
5. श्वेतपिच्छाचार्य का आध्यात्मिक क्षितिज
6. विद्यावदान

आचार्यश्री के पावन सान्निध्य में सम्पन्न पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव

1. बैडकीहाल ग्राम (कर्नाटक)
2. बुवनाल (महाराष्ट्र)
3. श्रवणबेलगोल (कर्नाटक)
4. धर्मस्थल (कर्नाटक)
5. बवनगजा (म्र. प्र.)
6. गोम्मटगिरी (इन्दौर)
7. शामली (उ. प्र.)
8. बडौत (उ. प्र.)
9. फरीदाबाद (हरियाणा)
10. ऋषभ विहार (दिल्ली)
11. बहुबली एन्कलेव (दिल्ली)
12. वसन्त कुंज (दिल्ली)
13. विश्वास नगर (दिल्ली)
14. विकासपुरी (दिल्ली)
15. शालीमार बाग (दिल्ली)
16. ग्रीनपार्क (दिल्ली)
17. नजफगढ़ (दिल्ली)
18. कृष्णा नगर (दिल्ली)
19. कालकाजी (दिल्ली)

आचार्यश्री के पावन वर्षायोग

1. 1946	क्षुल्लक पद	कोण्णूर (कर्नाटक)
2. 1947		हुमचा (कर्नाटक)
3. 1948		कुम्भोज (महाराष्ट्र)
4. 1949		शेडवाल (कर्नाटक)
5. 1950		शेडवाल (कर्नाटक)
6. 1951		शेडवाल (कर्नाटक)
7. 1952		शेडवाल (कर्नाटक)
8. 1953		शेडवाल (कर्नाटक)

9. 1954		शेडवाल (कर्नाटक)
10.1955		शेडवाल (कर्नाटक)
11. 1956		शेडवाल (कर्नाटक)
12. 1957		हुमच (कर्नाटक)
13. 1958		सुजानगढ़ (राजस्थान)
14. 1959		सुजानगढ़ (राजस्थान)
15. 1960		बेलगाम (कर्नाटक)
16. 1961		कुन्दकुन्दाद्रि (कर्नाटक)
17. 1962		शिमोगा (कर्नाटक)
18. 1963	मुनिपद	दिल्ली (लालमन्दिर)
19. 1964		जयपुर (राजस्थान)
20. 1965		फिरोजाबाद (उ.प्र.)
21. 1966		दिल्ली (समन्तभद्र विद्यालय)
22. 1967		मेरठ (उ. प्र.)
23. 1968		बड़ौत (उ. प्र.)
24. 1969		सहारनपुर (उ. प्र.)
25. 1970		श्रीनगर, गढवाल
26. 1971		इन्दौर (म. प्र.)
27. 1972		श्रीमहावीरजी (राजस्थान)
28. 1973		मेरठ कैन्ट (उ. प्र.)
29. 1974		दिल्ली (जैन बालाश्रम)
30. 1975	उपाध्याय पद	जगाधरी (हरियाणा)
31. 1976		दिल्ली (चादंनी चौक)
32. 1977		बडौत (उ. प्र.)
33. 1978		दिल्ली (पहाड़ी धीरज)
34. 1979	एलाचार्य पद	इन्दौर, माधोवस्तिका

35. 1980		श्रवणबेलगोल (कर्नाटक)
36. 1981		श्रवणबेलगोल (कर्नाटक)
37. 1982		कोथली (कर्नाटक) शान्तिगिरि
38. 1983		कुम्भोज बाहुबली (महाराष्ट्र)
39. 1984		मुम्बई (तीन मूर्ति, बोरीवली)
40. 1985		इन्दौर (म.प्र.) गोम्मटगिरी
41. 1986		दिल्ली (कुन्दकुन्द भारती)
42. 1987	आचार्य पद	दिल्ली (कुन्दकुन्द भारती)
43. 1988		कोथली (कर्नाटक) शान्तिगिरी
44. 1989		कोथली (कनोटक) शान्तिगिरी
45. 1990		बारामती (महाराष्ट्र)
46. 1991		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
47. 1992		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
48. 1993		दिल्ली (ग्रीनपार्क)
49. 1994		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
50. 1995		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
51. 1996		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
52. 1997		जयपुर (राजस्थान)
53. 1998		दिल्ली (न्यू रोहतक रोड़)
54. 1999		दिल्ली (ग्रीनपार्क)
55. 2000		दिल्ली (जैन बालाश्रम)
56. 2001		दिल्ली (अहिंसा स्थल)
57. 2002		दिल्ली (आर. के. पुरम्)
58. 2003		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
59. 2004		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
60. 2005		दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)

61. 2006	दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
62. 2007	दिल्ली (कुन्दकुन्दभारती)
63. 2008	दिल्ली (ऋषभ विहार)
64. 2009	दिल्ली (ग्रीनपार्क)
65. 2010	दिल्ली (ग्रीनपार्क)
66. 2011	दिल्ली (ग्रीनपार्क)
67 2012	दिल्ली (ग्रीनपार्क)

जस्टिस एन. के. जैन
अध्यक्ष
ज्ञानवद्वनोत्सव–वर्ष राजस्थान प्रादेशिक समिति

आर–3, तिलक मार्ग,
सी–स्कीम, जयपुर –302001
मो. – 94140–66665

धर्मानुरागी महानुभाव
सादर जय जिनेन्द्र।

आपको जानकार प्रसन्नता होगी कि श्वेतपिच्छाचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज की 50 वीं मुनि दीक्षा स्वर्ण जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में परमपूज्य एलाचार्य श्री श्रुतसागर जी, परमपूज्य एलाचार्य श्री वसुनंदीजी, परमपूज्य एलाचार्य श्री प्रज्ञसागर जी के नेतृत्व में ज्ञानवद्वनोत्सव–वर्ष केन्द्रीय समिति द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2012 से 25 जुलाई 2013 तक ''ज्ञानवद्वनोत्सव वर्ष'' के रूप में सम्पूर्ण भारतवर्ष में मनाया जा रहा है। ज्ञानवद्वनोत्सवा–वर्ष में परमपूज्य आचार्यश्री के व्यक्तित्व–कृतित्व एवं आगम प्रणीत पर निम्न कार्य{म सम्पन्न किये जायेंगे :–

1. विद्वतगोष्ठियां
2. वाद–विवाद प्रतियोगिताएं, प्रश्नमंच
3. निबन्ध प्रतियोगिताएं
4. भक्ति–संगीत सभा/कवि सम्मेलन
5. आचार्य श्री का जीवन चरित्र, सूक्तियां आदि का संग्रह करना और प्रकाशित करना।
6. आचार्य श्री से सम्बन्धित लेखों का जैन पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशन।

ज्ञानवद्वनोत्सव–वर्ष केन्द्रीय समिति ने मुझे राजस्थान प्रादेशिक अध्यक्ष मनोनीत किया है व ज्ञानवद्वनोत्सव–वर्ष राजस्थान प्रादेशिक समिति/जयपुर समिति का गठन करने व सदस्य मनोनीत करने के लिए अधिकृत किया है।

आप सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी हैं व कर्मठ कार्यकर्ता है। अतः आपको ज्ञानवद्वनोत्सव–वर्ष जयपुर समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत कर हमें अत्यन्त प्रसन्नता है। आशा है आपका पूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन जयपुर समिति को सदैव मिलता रहेगा ।

सधन्यवाद

भवदीय

(एन. के. जैन)
अध्यक्ष

ज्ञानवर्द्धनोत्सव–वर्ष प्रादेशिक समिति, जयपुर
(25 जुलाई, 2012 से 25 जुलाई, 2013)

अध्यक्ष व सदस्यगण

1. जस्टिस एन. के. जैन अध्यक्ष,
2. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्यवाहक अध्यक्ष
3. श्री सुभाष चन्द जैन
4. श्री नवीन कुमार बज
5. श्री कमल बाबू जैन
6. श्री सुभाष जैन
7. श्री प्रकाशचन्द जैन दीवान
8. श्री सुधीर कासलीवाल
9. श्री चन्द्रप्रकाश जैन
10. श्री अशोक कुमार जैन
11. श्री एम.पी.जैन
12. श्री अमर चन्द जैन
13. श्री निर्मल कुमार जैन, कीर्ति नगर
14. श्री धर्मचन्द पहाड़िया
15. श्री मनीष जैन, महावीर नगर
16. श्री सुरेश चन्द जैन ठोलिया
17. श्री सुरेन्द्रकुमार पाण्ड्या
18. डॉ. समन्तभ्रद पापड़ीवाल
19. श्री राजेन्द्र छाबड़ा।
20. डॉ0 हुकमचन्द सेठी
21. श्री सुखानन्द काला
22. श्री सुरेन्द्र कुमार काला
23. श्री प्रेमचन्द काला
24. श्री आमोद लुहाड़िया
25. श्री प्रदीप पाटनी
26. श्री राजेन्द्र कुमार बिलाला, मोहन बाडी
27. श्री यशकमल अजमेरा
28. श्री भारतभूषण जैन
29. श्री सतीश कुमार बाकलीवाल
30. श्री नवीन सैन जैन
31. श्री तरूण जैन
32. श्री अभिषेक गंगवाल
33. श्री राकेश गोधा
34. श्री महावीर सोनी
35. श्री विनोद कोटखावदा
36. श्री रविन्द्र बज
37. श्री पूनमचन्द बाकलीवाल
38. श्री भागचन्द मुशरफ
39. श्री नवरत्न सौगानी
40. श्री विमलकुमार जैन, एडवोकेट
41. श्री सूर्य प्रकाश छाबड़ा
42. श्री एस. एल गंगवाल
43. डॉ. शीला जैन
44. श्रीमती रूकमणी देवी
45. श्रीमती मालती जैन
46. श्रीमती शीला डोडिया
47. श्रीमती ममता शाह
48. श्रीमती उषा पापड़ीवाल
49. डॉ. (श्रीमती) वन्दना जैन
50. श्रीमती शालिनी बाकलीवाल
51. श्रीमती इन्द्रा बड़जात्या
52. श्री सुरेन्द्र बज
53. श्री सत्येन्द्र कुमार वैध
54. श्री अजय शाह
55. श्री संदीप ठोलिया
56. श्री अखिल बंसल
57. श्री राकेश जैन
58. श्री प्रदीप जैन
59. श्री सुरेशचन्द बांदीकुई वाले
60. श्री सुरेन्द्र कुमार पाटनी
61. श्री शान्ति कुमार पाटिल
62. डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन
63. श्री राजेन्द्र पाटनी
64. श्री वीरेन्द्र गोदिका
65. श्री अखिलेश गंगवाल
66. श्री माणक काला
67. श्री एन. एल. जैन
68. श्री नरेन्द्र पाण्ड्या
69. श्री निर्मल कुमार जैन
70. श्री अशोक लुहाड़िया
71. श्री दर्शन बाकलीवाल